

नवभारत

संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी

आज के समय में मोबाइल और इंटरनेट बच्चों के विकास पर गहरा प्रभाव डाल रहे हैं, जो केवल ज्ञान के स्रोत भर नहीं रह गए, बल्कि बच्चों को वास्तविक दुनिया से दूर कर रहे हैं। युनिवर्सिटी ऑफ मिशिंगम की एक सर्वे रिपोर्ट के अनुसार लगभग 60 प्रतिशत माता-पिता बच्चे को शांति के लिए मोबाइल देते हैं, जिससे बच्चे 'रियल इंटरैक्शन' के बजाय 'वर्चुअल एक्सपेरियंस' में उलझ जाते हैं। इससे उनकी संवेदना, कल्पना और जिज्ञासा सीमित हो जाती है।

जिस प्रकार बच्चा खेल के मैदान में हार-जीत और गिरकर सीखता है, उसी प्रकार के वास्तविक अनुभवों से उसका मस्तिष्क विकसित होता है। लेकिन मोबाइल पर डिजिटल गेम खेलने से यह विकास रुक जाता है। बच्चे खेल में हारने से डरने लगते हैं और तनाव, चिड़चिड़ापन, आत्मविश्वास की कमी जैसी समस्याएं पैदा होती हैं। स्क्रीन के अधिक इस्तेमाल से बच्चों का ध्यान कम होता

बच्चों के बदलते व्यवहार पर चिंता जगाती रिपोर्ट

है, नींद खराब होती है और वे अकेलापन महसूस करते हैं, जो डिप्रेशन और एंजायटी के बीज बोता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी छोटे बच्चों को एक घंटे से अधिक स्क्रीन टाइम न देने की सलाह देता है। मोबाइल रेंडिशन का भी बच्चों के मानसिक विकास पर नकारात्मक प्रभाव होता है। यह उनकी सोचने-समझने की क्षमता, ध्यान और नींद पर असर डालता है। गतिहीन जीवनशैली से शारीरिक विकास प्रभावित होता है, और बच्चों में संवाद और सामाजिक कौशल का विकास रुक जाता है। बच्चे इस डिजिटल युग में सामाजिक बातचीत की जगह ऑनलाइन दुनिया में सीमित हो जाते हैं, जिससे वे सामाजिक अलगाव भी महसूस कर सकते हैं। यह स्थिति अब केवल भारत तक सीमित नहीं रही है। दुनिया के कई विकसित देश भी इस समस्या से जूझ रहे हैं।

हाल ही में ऑस्ट्रेलिया सरकार ने बच्चों के बीच मोबाइल के बढ़ते उपयोग और उसके मानसिक प्रभावों को गंभीर मानते हुए स्कूलों में मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगा दिया है। यह निर्णय इस चिंता के तहत लिया गया कि मोबाइल के अत्यधिक उपयोग से बच्चों में एकाग्रता घट रही है, सामाजिक कौशल कमजोर हो रहे हैं, और वे मानसिक रूप से तनावग्रस्त हो रहे हैं। फ्रांस और नीदरलैंड जैसे देशों ने भी इसी दिशा में कदम उठाए हैं, जहां 15 वर्ष से कम आयु के बच्चों को स्कूल परिसर में मोबाइल लाने की अनुमति नहीं है। इन देशों में वैश्विक स्तर पर यह बहस दिखाई दे कि बचपन को डिजिटल बंधन से मुक्त रखना अब नीति-निर्माताओं की प्राथमिकता बन चुकी है। यह उदाहरण भारत के लिए भी

प्रेरणादायक है। यहां भी नीति-निर्माताओं और शिक्षाविदों को इस दिशा में ठोस पहल करनी चाहिए, ताकि स्कूल और घर दोनों स्थानों पर बच्चों का वातावरण अधिक संवेदनशील, संवादमय और अनुभवात्मक बनाया जा सके। इस संकट के समाधान के लिए माता-पिता की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। बच्चों के लिए मोबाइल को 'डिजिटल नेनी' न बनाएं, बल्कि उनके साथ अधिक संवाद करें, कहानियां सुनाएं, खेलें और रचनात्मक गतिविधियों में शामिल करें। बच्चों को यह सिखाना आवश्यक है कि दुनिया केवल टचस्क्रीन से नहीं, बल्कि हृदय, परिश्रम और अनुभव से चलती है। यदि इस ओर ध्यान नहीं दिया गया, तो आने वाले समय में बच्चे मानसिक रूप से तैयार नहीं होंगे और भविष्य को गंभीर संकट का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए आवश्यक है कि माता-पिता, शिक्षक और समाज मिलकर बच्चों का समग्र विकास सुनिश्चित करें और उन्हें वास्तविक जीवन के अनुभवों से जोड़ें।

भारत अफगानिस्तान संबंध : नये युग की शुरुआत



प्रो. विवेकानंद तिवारी
अध्यक्ष, आर्यभट्टक पीठ
एचवीयू, शिमला

भारत का तालिबान के राज्य के साथ संपर्क, क्षेत्रीय भू-नीति में एक महत्वपूर्ण झलक शामिल है। विदेश मंत्रालय का भारत दौरा नई दिल्ली के प्रतीकात्मकता, सुरक्षा और स्मरणों को रक्षा के प्रति सांस्कृतिक दृष्टिकोण को दर्शाता है, क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखना, निवेशों की सुरक्षा करना और मानवों की परेची करने की आवश्यकता के बीच संतुलन स्थापित करना एक जटिल चुनौती पेश करता है, जो तेजी से अस्थिर और दक्षिण एशियाई परिदृश्य में भारत के सूक्ष्म और विवेकपूर्ण बाजार की क्षमता का भी परीक्षण करता है। अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी की यात्रा वर्ष 2021 के बाद से तालिबान के नेतृत्व वाली सरकार के साथ पहली प्रत्यक्ष राजनयिक संपर्क थी, जिसने संबंधों में मधुरता और बेहतर संवाद का संकेत दिया।

भारत और अफगानिस्तान राजनयिकों के आपसी आदान-प्रदान पर सहमत हुए, जिससे निरंतर राजनयिक संचार संभव हो सका। एक तकनीकी मिशन से एक पूर्ण दूतावास में परिवर्तन, राजनयिक उपस्थिति और आधिकारिक मान्यता को दृढ़ करने के

यह सर्वविदित तथ्य है कि भारत और अफगानिस्तान के रिश्ते अत्यंत लंबे समय से प्रगाढ़ रहे हैं और अफगानिस्तान के कठिन समय में भारत ने सदा उसकी सहायता की है। तालिबान शासन आने के बाद भी जब वहां पर विनाशकारी भूकंप आया तब भारत अफगान नागरिकों के साथ खड़ा रहा। अफगान विदेश मंत्री और भारत के विदेश मंत्री पर जयशंकर की मुलाकात के बाद अफगानिस्तान को 20 एम्बुलेंस देने के साथ ही वहां की आम जनता को बेहतर स्वास्थ्य सेवा देने के लिए भारत ने सहायता की घोषणा की है। यदि भारत अफगानिस्तान में अपना दूतावास खोलता है तो वह वहां से पाक खुफिया एजेंसी आईएसआई की गतिविधियों पर सूक्ष्म दृष्टि रख सकेगा। तालिबान शासन से मैत्री इसलिए भी महत्वपूर्ण हो गई है क्योंकि इस समय भारत के सभी पड़ोसी देश अस्थिरता का शिकार हैं ऐसे में सामरिक दृष्टिकोण से एक नया मार्ग खोलना अति आवश्यक हो गया है।

भारत के उद्देश्य को दर्शाता है। दोनों देशों ने संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के प्रति समानता की पुष्टि की, अफगानिस्तान ने भारत के विरुद्ध अपने क्षेत्र के प्रयोग की अनुमति नहीं देने का वचन दिया, जो एक महत्वपूर्ण सुरक्षा आश्वासन है। दोनों सरकारों द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने के लिये प्रतिबद्ध हैं, जिसका उद्देश्य राजनीतिक अस्थिरताओं के बावजूद आर्थिक संबंधों को पुनर्जीवित करना है। दोनों पक्षों ने भारत-अफगानिस्तान हवाई माल दुलाई गलियारे के शुभारंभ का स्वागत किया, जो दोनों देशों के बीच प्रत्यक्ष व्यापार एवं वाणिज्य को और बढ़ाएगा। भारत ने अस्पताल निर्माण और विस्तारित मानवीय सहायता सहित अवसंरचना परियोजनाओं की घोषणा की, जो सॉफ्ट पावर एवं विकासवात्मक कूटनीति को दर्शाता है। अंतरराष्ट्रीय सम्बन्धों में कोई स्थाई मित्र या

शत्रु नहीं होता, सभी राष्ट्र समय और परिस्थितियों के अनुसार पारस्परिक व्यवहार करते हैं। इस समय भारत के लिए सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण अफगानिस्तान में तालिबान का शासन है। तालिबान की पहचान आतंकी संगठन की है किन्तु अफगानिस्तान की तालिबान सरकार अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त करने के लिए वैश्विक जगत से संवाद स्थापित कर रही है। अभी तक तालिबान सरकार को केवल रूस ने ही मान्यता दी है। इस बीच अफगानिस्तान के तालिबान विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी सात दिन की भारत यात्रा पर आए हैं यद्यपि भारत ने अभी तक तालिबान सरकार को मान्यता नहीं दी है और वह काफी फूंक-फूंक कर कदम रख रहा है। भारत में मुत्ताकी के अनेक कार्यक्रम हो रहे हैं। वह उग्र में मुसलमानों की संस्था दारुल उलूम देवबंद गए हैं, उनकी दो पत्रकार

वार्ताएं भी हो चुकी हैं जिसमें पहली पत्रकार वार्ता में महिला पत्रकारों को प्रवेश मिलने के कारण विवादों आ गई जिससे अफगानी विदेश मंत्री को दूसरी पत्रकार बुलानी पड़ी जिसमें महिला पत्रकार भी आमंत्रित थीं। अफगान विदेश मंत्री को इस यात्रा से भारत ने दक्षिण एशिया में पाकिस्तान के विरुद्ध अपना एक नया समर्थक बनाया है। मुत्ताकी की भारत यात्रा से भारत ने एक कूटनीतिक बढ़त यह प्राप्त कर ली है संयुक्त बयान में अफगानिस्तान ने अप्रैल में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए भारत की जनता व सरकार के प्रति संवेदना व एकजुटता व्यक्त की है।

भारत और अफगानिस्तान के बयान के अनुसार दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय देशों से उत्पन्न सभी आतंकवादी कृत्यों को स्पष्ट रूप से निंदा की और क्षेत्र में शांति स्थिरता एवं आपसी विश्वास को बढ़ावा देने के महत्व पर बल दिया गया है। अफगान विदेश मंत्री ने जम्मू कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बताया जिससे पाकिस्तान को इतनी चोट पहुंची कि उसने अफगानिस्तान पर हमला कर दिया फिर अफगानिस्तान ने कठोरतः हुए पाकिस्तान के 58 सैनिकों को मौत के घाट उतार दिया और उनकी कई चौकियों पर कब्जा कर लिया। विदेश मंत्री एस. जयशंकर और अफगान विदेश मंत्री मुत्ताकी की मुलाकात के बाद बयान जारी किया गया कि भारत और अफगानिस्तान के रिश्ते सदियों पुराने हैं तथा इन संबंधों को और मजबूत किया जाएगा।

नक्सली पुनर्वास की नई योजना

माओवाद के बचे हुए प्रभाव को खत्म करने के लिए सरकार आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों के लिए पुनर्वास देने हेतु एक नई योजना पर काम कर रही है। आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों को समाज में सम्मान और शांतिपूर्ण जीवन का अवसर देने के लिए विशेष पुनर्वास योजनाएं लागू की गई हैं। वित्तीय और रोजगार सहायता में नकद प्रोत्साहन, वित्तीय सहायता, प्रशिक्षण और रोजगार के अवसर प्रदान किए जा रहे हैं। पुनर्वास के लाभ : आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों को मुख्यधारा में शामिल होने के लिए विशेष पुनर्वास योजनाएं लागू होंगी। उन्हें प्रशिक्षण, रोजगार के अवसर, घर और खेती के लिए जमीन भी दी जाएगी। सरकार के लिए यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों को पुनर्वास नीति का लाभ शीघ्र मिले और उन्हें आवश्यक प्रशिक्षण देकर रोजगार के साधन उपलब्ध कराए जाएं। आत्मसमर्पण के बाद सुखद जीवन - आत्मसमर्पण के बाद के अनुभवों में एक सुखद पहलू यह भी है कि कई पूर्व माओवादी अब शांतिपूर्ण और सामान्य जीवन शुरू कर रहे हैं। इन लोगों



ऐसे माओवादियों को मुख्यधारा में पूरी तरह से शामिल करने में चुनौतियां आ सकती हैं। माओवाद प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव सबसे बड़ी चुनौती है।

को सामान्य जीवन जीने की चाह मुख्य धारा में खींच लाई है। कई आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों ने शादी कर ली है, उनके बच्चे हैं और शांतिपूर्ण जीवन जी रहे हैं। माओवाद के अंतिम चरण में होने के बावजूद कुछ चुनौतियां अब भी मौजूद हैं, जिन पर सरकार को ध्यान देना होगा। सोनू और रुपेश जैसे कुछ आत्मसमर्पण करने वाले माओवादी अभी भी अपने पूर्व जीवन से जुड़े हैं और उनका कहना है कि वह अभी भी आदिवासियों के अधिकारों के लिए संघर्ष करते रहेंगे।

- एस. हनुमंत राव

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

शब्द-सागर : डॉ. सागर खादीवाल

CROSS WORD 12063 - डॉ. सागर खादीवाल

1	2	3	4	5
	6	7		
8	9			10
	11		12	
13		14	15	
16	17			18 19
		20	21	22
		23		

Solution 12062

आ	प्र	ह	न	प्र	भा	त
दे	जा	ग	र	भा	र	
न	भा	म	क्र	य	न	त
म	त	ल	ब	का	रा	
ग	ला	गा	भा	ना		
फ	क	न	ख	गू	रा	
ल	द	ना	जा	न	व	र
त	म	भा	न	ल	व	र

बाएं से दाएं
1. किसी कड़ी वस्तु के टूटने का शब्द, उपवास 3. जलयात्रा, नदी समुद्र आदि के मार्ग से यात्रा करना (सं.) 6. कभी-कभी, जब-तब 8. रोगी की सेवा (उर्दू) 10. संपूर्ण, संपन्न 11. पहली ध्वजी, जूते का लेख 12. बाप दादा आदि जो पहले गए हों, पूर्व पुरुष, पुरखा 13. वचन, इकरार (उर्दू) 14. आश्चर्य, विस्मय 16. कोमल, लचीला, धीमा 18. प्रतिदिन, सदा, नित्य 20. कंड, गर्दन, कंड का स्वर 22. शिव 23. परीक्षा, गुण-दोषों को ठीक जानें, पहचान ऊपर से नीचे
1. किसी धनराशि या मद से कुछ

ज्योतिषाचार्य प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में वाहन का सुख मिलेगा, शिक्षा प्रतियोगिता में सफलता के योग हैं, कार्यक्षेत्र में वृद्धि होगी, वर्ष के मध्य में दिवसों में व्यवधान आयेगा, पारिवारिक समस्या में व्यस्तता रहेगी, अधिकारी के कोप का सामना करना होगा, मन व्यथित रहेगा, वर्ष के अंत में धार्मिक कार्यों में सफलता मिलेगी, संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी, स्थिति सुधरेगी।

मेघ और बुध राशि के व्यक्तियों को दिनचर्या में व्यवधान आयेगा, मन व्यथित रहेगा, वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को वाहन का सुख मिलेगा, कर्रं राशि के व्यक्तियों को धार्मिक कार्यों में सफलता मिलेगी, संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी, सिंह राशि के व्यक्तियों का मन परेशान रह सकता है, अधिकारी से मतभेद बढ़ेंगे, मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को व्यवसायिक मामलों में स्थिति सामान्य रहेगी, मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को शिक्षा आदि में लाभ होगा, धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को पारिवारिक कार्यों में व्यस्तता रहेगी।

आज जन्म शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक बुद्धिमान, चतुर, भावुक, कल्पनाप्रिय, व्यवहार का कुशल होगा, इसकी शिक्षा अच्छी रहेगी, लेखन, अध्ययन, संगीत, काव्य में रुचि रहेगी, ये अच्छे विचारक एवं कलाकार होते हैं, समाज सेवा में इनकी अधिक रुचि रहेगी, राजनैतिक होगा।

उत्पत्तिकालीन ग्रह चाल

8	के.7 सू. चं.शु.	6	शु.	5
9	श.	4	श.	3
10	श.	1	श.	2
11	श.	2	श.	3
12	श.	3	श.	4

पंचांग

रा.मि. 06 संवत् 2082 कार्तिक शुक्ल सप्तमी भौमवासरे रातअंत 4/29, पूर्वाषाढ नक्षत्र दिन 12/37, धृति योग रातअंत 5/34, गर करण सू.उ. 6/25, सू.अ. 5/35, चन्द्रकार धनु शाम 6/55 से मकर, शु.रा. 9, 11, 12, 3, 5, 7 अ.रा. 10, 1, 2, 4, 6, 8 शुभांक- 2, 4, 8.

SUDOKU 7195

8	4	3	9	7	5	6
3				2		
	7	6	5			4
9	6		5		1	7
5		1	4	9	8	2
4		8				5 3
2			6	1	4	
		7				8
7	9	8	3	5	6	1

मेघ - व्यापार से संबंधित कार्यों में सफलता का योग है, वाणी पर संभव रखें, नौकरी में परिश्रम अधिक करना पड़ेगा, मित्र वर्ग मदद करेंगे।

वृषभ - आकस्मिक धन लाभ होगा, परिचय क्षेत्र का विकास होगा, साहस पराक्रम बढ़ेगा, अतिथि आगमन का योग है, व्यय की अधिकता रहेगी।

मिथुन - तीखी बातों से अपने को नाराज कर सकते हैं, कानूनी मामलों में धैर्य से काम लें, भाव्यविश्व सामान्य मिलेगा, आत्म विश्वास मनोबल बना रहेगा।

कर्क - सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल होकर खुशी मिलेगी, संबंधों में मधुरता एवं प्रेम बढ़ेगा, आलस्य को त्यागें, कार्यों में बाधा उत्पन्न हो सकती है।

सिंह - विपरीत माहौल में खुद के लिये अनुकूलता बना लें, कार्यक्षेत्र को उत्साह दें, परिश्रम अधिक करेंगे।

कन्या - बुजुर्गों के स्वास्थ्य की चिन्ता करें, किरिय को लेकर दूर की यात्रा होगी, शुभ कार्यों में लाभदायक सफलता प्राप्त होगी, मनोकामना की पूर्ति होगी।

तुला - धीमी गति से चल रही योजनाओं में नुकसान होगा, गुप्त शत्रुओं से सावधान रहें, रोगों की चिन्ता होगी, विशिष्टता का उपयोग रहेगा।

वृश्चिक - धर्म-कर्म में आस्था बढ़ेगी, कारोबारी दूर दराज की यात्रा हो सकती है, भौतिक सुख साधनों की प्राप्ति होगी, मित्रता उपयोगी रहेगी।

धनु - लाभ में संतोष मिलेगा, पुराने रूके कार्यों में सफलता के योग है, आत्म विश्वास बढ़ेगा, धैर्य एवं साहस से कार्य बढ़ेंगे, परिश्रम अधिक करना पड़ सकता है।

मकर - मन की बात मित्रों से कहें, इससे तनावबंद होगा, पारिवारिक यात्रा संभव है, किया गया प्रयास सफल होगा, मित्रता लाभकारी रहेगी।

कुम्भ - तनाव में फैसला लेना मुश्किल होगा, व्यर्थ के शत्रुओं परेशान कर सकते हैं, मनोरंजन, उत्सव एवं भ्रमण के अवसर मिलेंगे, पुराना पैसा मिलने का योग है।

मीन - धार्मिक आयोजन में शामिल होकर खुशी मिलेगी, अनुभवी लोगों का साथ सफलता दिलायेगा, जमीन, जायजद संबंधी विवाद हल होगा, मनोरंजन आदि पर व्यय होगा।

कार्तिक शुक्ल सप्तमी को पूर्वाषाढ नक्षत्र के प्रभाव से सूत, कपास, गेहूँ, जौ, चना, सोना, चांदी, में तेजी होगी, गुड, खांड, धनियाँ, के भाव में मंदी होगी, जूट पाट, बारदाना, पूर्ववत रहेंगे, भाग्यांक- 5642 है।

पत्रिक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरने वाले आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति व हो इसका विशेष ध्यान रखें। पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते, पहली का केवल एक ही हल है।

नवभारत सुदो 7194

7	8	4	9	5	2	6	1	3
9	6	2	4	3	1	8	5	7
1	3	5	7	8	6	2	4	9
4	2	3	8	1	5	9	7	8
8	5	9	2	4	7	1	3	6
6	7	1	3	9	8	4	2	5
3	1	7	8	6	4	5	9	2
5	9	6	1	2	3	7	8	4
2	4	8	5	7	9	3	6	1